परमात्म ऊर्जा

स्व-चिंतन और शुभ चिंतक

1- स्व चिन्तन अर्थात् जो बापदादा ने 'मैं कौन हूँ' की पहेली बताई है, उसको सदा स्मृति में रखना। जैसे बापदादा जो है, जैसा है, वैसा उसको जानना ही यथार्थ जानना है, दोनों का जानना ही वास्तव में सब कुछ जानना है। इसी रीति स्व को भी जो हूँ, जैसा हूँ यथार्थ जो आदि-अनादि, श्रेष्ठ स्वरूप है, उस रूप से अपने आप को जानना और उस रूप के स्व चिन्तन में रहना, इसको कहा जाता है स्व चिन्तन। शुभ चिन्तन अर्थात् ज्ञान रत्नों का मनन करना। रचता और रचना के गुह्य रमणीक राज़ों में रमण करना। एक, सिर्फ रिपीट करना, दूसरा, ज्ञान सागर की लहरों में लहराना अर्थात् ज्ञान खज़ाने के मालिकपन के नशे में रह सदा ज्ञान रत्नों से खेलते रहना। ऐसा शुभ-चिन्तन करने वाले स्वतः ही सर्व के सम्पर्क में शुभचिन्तक बन जाते हैं। जो स्वयं दिन-रात शुभ चिन्तन में रहते हैं, वह औरों के प्रति कभी भी न अशुभ सोचते, न अशुभ देखते, न बोलते, न करते उनका निजी संस्कार व स्वभाव शुभ होने के कारण वृत्ति, दृष्टि सर्व में शुभ देखने और सोचने की स्वतः ही आदत बन जाती है इसलिए हर एक के प्रति शुभचिंतक रहता है। कमज़ोर आत्मा को भी सदा उमंग उत्साह के पंख देकर शक्तिशाली बनाते हैं। ऊंचा उठाने के साथ-साथ ऊंचा उड़ाते भी हैं। कमज़ोर आत्मा के प्रति सदा शुभ कामना शुभ भावना रख सहयोगी बनाते।

2- शुभ चिंतक अर्थात् ना उम्मीदवार को भी उम्मीदवार बनाने वाले। शुभ चिंतक बापदादा द्वारा ली हुई शक्तियों के सहारे की टांग दे, लंगड़े को भी चलाने के निमित्त बन जाएंगे। शुभ चिंतक आत्मा, अपने शुभ चिंतन द्वारा दिल शिकस्त आत्मा को भी दिल खुश मिठाई द्वारा तंदुरुस्त बनाएगी। शुभ चिंतक आत्मा किसी की कमज़ोरी जानते हुए भी उनकी कमज़ोरी को भुलाकर अपनी विशेषता की शक्ति को समर्थी दिलाते हुए उसको भी समर्थ बना देगी। किसी के प्रति घृणा दृष्टि नहीं रहेगी जिससे उनका सभी से प्रेम होगा।

कथा सरिता

स्वर्ग और नर्क

बहुत समय पहले की बात है। दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य में एक प्रसिद्ध संत रहते थे। संयोगवश एक बार उनके पास राजा का एक सैनिक आया और उनसे पूछने लगा 'आचार्य! सारी दुनिया में स्वर्ग और नर्क की चर्चा होती रहती है, क्या ये होते भी हैं या नहीं?'

आचार्य ने ध्यानपूर्वक उसको ऊपर से नीचे तक देखा और पूछा, "तुम काम क्या करते हो?"

उसने उत्तर दिया - "जी, मैं राजा का सैनिक हूँ और देश की रक्षा करता हूँ।" आचार्य ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा, 'क्या कहा तुमने, तुम सैनिक हो? लेकिन शक्ल से तो तुम कोई भिखमंगे दिखाई देते हो! तुम्हें जिस किसी ने भी भर्ती किया हो, वह अवश्य ही कोई महामूर्ख होगा।' इतना सुनना था कि सैनिक आग बबूला हो गया और उसका हाथ कमर पर बाँधी हुई बन्दूक की ओर गया। यह सब देखकर आचार्य बोले, 'अरे! तुम्हारे पास तो बन्दूक भी है। लेकिन चलाओगे कैसे! तुम्हें चलानी भी आती है क्या?

इन शब्दों ने उसकी क्रोध रूपी अग्नि में घी का काम किया। और उसने तुरन्त बन्दूक आचार्य की छाती पर तान दी। तभी आचार्य बोले, 'लो नरक के दरवाजे खुल गए!'

आचार्य के ये शब्द उसके कानों तक पहुँचे भी न थे कि उसने अनुभव किया कि छाती पर बन्दूक तानी देखकर भी यह आचार्य बिल्कुल शान्त और निर्भय बैठा है। उनका यह आत्मसंयम देखकर वह बड़ा विचलित हो गया। देखते ही देखते उसकी क्रोधाग्नि बिल्कुल शांत हो गई और उसने अपनी बन्दूक वापस कमर में टाँग ली। आचार्य ने यह सब देखा और बोले, 'लो, अब स्वर्ग के द्वार खुल गए!'

सिरसा-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के आनन्द सरोवर में आयोजित 'भाग्य/सफलता आपकी मुट्ठी में' कार्यक्रम में मंचासीन हैं ब्र.कु. बिंदु बहन, राजयोगी ब्र.कु. सूर्य व ब्र.कु. गीता,माउंट आबू, चौधरी देवी लाल यूनिवर्सिटी के उप कुलपति डॉ. विजय कुमार व रजिस्ट्रार डॉ. अशोक शर्मा।

जमशेदपुर-कोल्हान(झारखंड)। ब्रह्माकुमारीज़ के यूनिवर्सल पीस पैलेस रिट्रीट सेंटर में प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा आयोजित 'स्ट्रेस-फ्री एडमिनिस्ट्रेशन' विषय पर आयोजित सम्मेलन के दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अंजू, ब्र.कु. विद्यात्रि, मंडल रेल प्रबंधक तरुण हुरिया,चक्रधरपुर, केएनटी के अध्यक्ष माझीराम जमुदार व उपाध्यक्ष रामचन्द्र,चाईबासा, आईडीटीआर वरिष्ठ अभियंता यशवंत कुमार, सुधा डेयरी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश कुमार शर्मा, इंटक अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय, सीआरपीएफ के द्वितीय कमांडेंट राजू रंजन,आदित्यपुर, अधुनी पॉवर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा, यूसीआईएल के उप महाप्रबंधक राकेश कुमार,जादूगोड़ा, करीम सिटी कॉलेज के प्राचार्य मोहम्मद रियाज़, जेएमएसटीए के अध्यक्ष शशि भूषण दुबे, रोशनी आई डोनेशन के अध्यक्ष तारू गांधी, महिला गुजराती सनातन समाज अध्यक्ष विनीता शाह तथा अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

रांची-झारखंड। सुरेन्द्रनाथ सेंटेनरी स्कूल,रांची में आयोजित 'मेन्टल हेल्थ एंड वेल बीइंग' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी, ब्र.कु. इन्दु, ब्र.कु. प्रदीप, प्राचार्या समिता सिन्हा, उप प्राचार्य प्रसेनजीत हाज़रा एवं उप प्राचार्या नीना दास।

मंगोलिया-उलानबटार(एशिया)। भारतीय दूतावास ने उलानबटार के एम.एन.सी.सी.आई. हॉल में इस वर्ष की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. इन्ना बहन तथा अन्य प्रतिभागी भाई-बहनें।

रावतभाटा-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल प्रभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत अभियान के उद्घाटन समारोह में उपस्थित भाई-बहनों को सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी बहन।

दिल्ली-गाज़ीपुर। ब्रह्माकुमारीज़ के मेडिकल प्रभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत राजकीय सर्वोदय बाल विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को नशा मुक्त रहने की प्रतिज्ञा कराते हुए ब्र.कु. नीलम, ब्र.कु. रीता, स्कूल की उप प्रधानाचार्या रितिक सिंह तथा अन्य ब्रह्माकुमारी बहन।

नगर डीग-कठूमर(राज.)। थाने में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् ब्र.कु. प्रीति, डीएसपी कैलाश जिंदल, हेड कांस्टेबल वीरेन्द्र सिंह तथा अन्य स्टाफ।

जींद-हरियाणा। हिसार मंडल के कमिश्नर अशोक गर्ग से स्नेह मुलाकात के पश्चात् ईश्वरीय सौगात व प्रसाद भेंट करते हुए ब्र.कु. मीना, ब्र.कु. नीलम एवं ब्र.कु. अश्वनी।

उदयपुर-मोती मगरी(राज.)। शिक्षक दिवस के अवसर पर मोती मगरी स्कीम सोसाइटी समिति, नगर निगम उद्यान समिति एवं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के द्वारा सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में सभी शिक्षकों को सम्मानित करने के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रीटा, जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह जी राठौड़, नगर निगम उद्यान अध्यक्ष महेश चंद्र त्रिवेदी, जनसम्पर्क अधिकारी गौरीकांत शर्मा तथा अन्य।

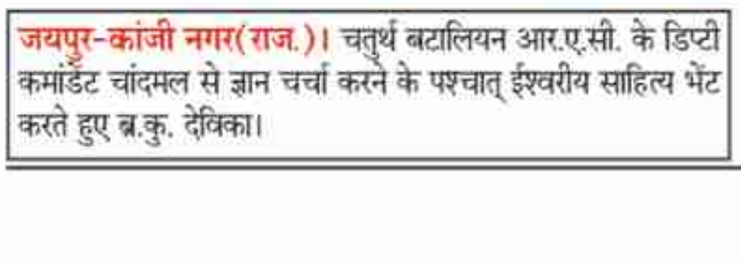

जयपुर-कांजी नगर(राज.)। चतुर्थ बटालियन आर.ए.सी. के डिप्टी कमांडेंट चांदमल से ज्ञान चर्चा करने के पश्चात् ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए ब्र.कु. देविका।